देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इन्दौर
सत्र् 2013–14 से प्रभावशील

**iFke lseLVj**

**fo"k; % Hkkjrh; ,oa ik'pkR; dkO;'kkL=**

**i'ui= % iFke**

पूर्णांक 85+15 सी.सी.ई.

**bdkbZ & 1**

भारतीय काव्य शास्त्र : काव्य– लक्षण, काव्य– हेतु, काव्य – प्रयोजन काव्य के प्रकार।
रस–सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस – निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।
अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।

**bdkbZ & 2**

रीति– सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य–गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।
वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद ।

**bdkbZ & 3**

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि – सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद, गुणीभूत–व्यंग्य, चित्रकाव्य।
औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएं, औचित्य के भेद।

**bdkbZ & 4**

हिन्दी रीतिकालीन कवि – आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन : लक्षण–काव्य परंपरा एवं कवि – शिक्षा

**bdkbZ & 5 vk/kqfud fgUnh vkykspuk dk fodkl**

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी / सौष्ठव वादी, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

एम. ए प्रथम सेमेस्टर प्रश्न पत्र– द्वितीय
हिन्दी साहित्य
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

पूर्णांक – 85+15 सी.सी.ई.

पाठ्य विषय :–

इकाई – 1 व्याख्यांश –

1. पृथ्वीराज रासो (संक्षिप्त) – शशिवृत्ता विवाह समय
2. विद्यापति – 20 पद (विद्यापति, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
   पद कमांक – 1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39,
3. कबीर – कबीर ग्रंथावली – डॉ0 श्यामसुंदर दास
   गुरूदेव को अंग (साखी कमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (साखी कमांक 1 से 10), विरह कों अंग (साखी कमांक 1 से 10), ज्ञान– विरह को अंग (साखी कमांक 1 से 10), परचा को अंग (साखी कमांक 1 से 10),
4. जायसी – पदमावत,– संपादक आचार्य रामचंद्र शुक्ल

पद क्रमांक :– 1,11,16,21,24,50,60,65,69,70, (दस–दस पद)
(मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड) उपसंहार संपूर्ण ।

इकाई – 2
चंदबरदाई और विद्यापति, से संबधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 3
कबीर और जायसी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई – 4 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियॉ एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न ।

इकाई – 5 द्रुतपाठ के कवि–गोरखनाथ, अमीर खुसरो, नंददास, रैदास नामदेव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन –नियमित

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई 1 | – | व्याख्या | 3 X 8 = 24 |
| इकाई 2 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 16 |
| इकाई 3 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 15 |
| इकाई 4 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 15 |
| इकाई 5 | – | लघुउत्तरीय प्रश्न | 3 X 5 = 15 |
| | | | 85 |

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई 1 | – | व्याख्या | 3 X 9 = 27 |
| इकाई 2 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 20 |
| इकाई 3 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 20 |
| इकाई 4 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 18 |
| इकाई 5 | – | लघुउत्तरीय प्रश्न | 3 X 5 = 15 |
| | | | 100 |

## प्रथम सेमेस्टर
## प्रश्नपत्र तृतीय
## आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

**bdkb&1** उपन्यास और कहानी

व्याख्यांश

1– गोदान– प्रेमचन्द
2– रागदरबारी – श्रीलाल शुक्ल
3– रूकोगी नहीं राधिका – उषा प्रियंवदा
4– कथायात्रा – सं. डॉ. राजेन्द्र मिश्र – तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।

**bdkb&2**

गोदान अथवा रामदरबारी से आलोचनात्मक प्रश्न

**bdkb&3**

रूकोगी नहीं राधिका अथवा कथायात्रा से आलोचनात्मक प्रश्न ।

**bdkb&4**

उपन्यास और कहानी का इतिहास और उनकी विविध प्रवृत्तियॉ ।

## bdkb&5 & n|r ikB

जैनेन्द्र, यशपाल, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, मन्नू भंडारी से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन –नियमित

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई 1 | – | व्याख्या | 3 X 8 = 24 |
| इकाई 2 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 16 |
| इकाई 3 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 15 |
| इकाई 4 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 15 |
| इकाई 5 | – | लघुउत्तरीय प्रश्न | 3 X 5 = 15 |
| | | | 85 |

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई 1 | – | व्याख्या | 3 X 9 = 27 |
| इकाई 2 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 20 |
| इकाई 3 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 20 |
| इकाई 4 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 18 |
| इकाई 5 | – | लघुउत्तरीय प्रश्न | 3 X 5 = 15 |
| | | | 100 |

# iFke lelVj
## Ik'ulk=& prFk
## i;ktueyd fgUnh

पूर्णांक – 85+15 सी.सी.ई.

## bdkb & 1

कामकाजी हिन्दी –

1. हिन्दी के विभिन्न रूप– सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्मय भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :– प्रारूपण, पत्र–लेखन संक्षेपण , पल्लवन, टिप्पण ।
3. पारिभाषिक शब्दावली – स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

## bdkb & 2

हिन्दी कम्प्यूटिंग–

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।
2. इंटरनेट,:– संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक, रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. वेब पब्लिकेशन ।
4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप।
5. लिंक, ब्राउजिंग पोर्टल, ई मेल भेजना / प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग के साफ्टवेयर पैकेज।

**bdkb& 3**

1. अनुवाद :– स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया और प्रविधि।
2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद ।
5. विज्ञापन में अनुवाद ।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद ।

**bdkb& 4**

1. वाणिज्यिक,वैज्ञानिक,तकनीकी तथा प्रौद्यौगिकी क्षेंत्र में अनुवाद ।
2. विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद ।
3. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास ।
4. कार्यालयीन अनुवाद–कार्यालयीन एवं प्रशासनिक प्रयुक्तियॉ, पदनाम, विभाग आदि ।
5. पदनामों, अनुभागों,दस्तावेजों,प्रतिवेदनों के अनुवाद ।

इकाई 5

1. बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास ।
2. विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास ।
3. साहित्यिक अनुवाद के सिध्दान्त एवं व्यवहार :– कविता,कहानी, नाटक
4. सारानुवाद 5 – दुभाषिया प्रविधि 6 अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

अंक विभाजन – नियमित

पांचों इकाई से पांच निबंधात्मक प्रश्न 17 – 17 अंकों के ।

अंक विभाजन – स्वाध्यायी

इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रश्न प्रत्येक – 20 अंक

इकाई 5 टिप्पणी 10+10 = 20

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय,इन्दौर

**lfeLVj & f}rh;**

**Hkkjrh; ,oa ik'pkR; dkO; 'kkL=**

**i'u i= % iFke**

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

**bdkb& 1**

प्लेटो : काव्य – सिद्धांत

अरस्तू : अनुकरण – सिद्धांत, त्रासदी– विवेचन, विरेचन सिद्धांत

लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा

**bdkb&2**

ड्राइडन के काव्य सिद्धांत

वड्र्सवर्थ : काव्य – भाषा का सिद्धांत
कालरिज : कल्पना – सिद्धांत और ललित – कल्पना

**bdkb& 3**

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयाक्तिक प्रज्ञा, निवैर्यक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
आई.ए. रिचर्ड्स : रागात्मक अर्थ । संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

**bdkb& 4**

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

**bdkb& 5**

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर अधुनिकतावाद।

## प्रश्नपत्र– द्वितीय
## प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

पूर्णांक – 85+15 सी.सी.ई.

**bdkb& 1**

व्याख्यांश

सूरदास :– भ्रमरगीत सार – संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद क्रमांक 51 से 100 तक।
तुलसीदास – विनय पत्रिका –गीत प्रेस गोरखपुर
पद क्र.
1,5,41,66,73,79,87,90,91,94,98,100,101,102,105,111,115,120,123,124,149,155,162,163,165,166,172,174,198,199,237,242,268,276 ।
बिहारी – बिहारी रत्नाकर – संपादक जगन्नाथ रत्नाकर, दोहा क्रमांक 1 से 50।
घनांनंद – घनानंद कवित्त – सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र प्रांरभिक 25 पद ।

**bdkb& 2**

सूर, एवं तुलसी सें संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

**bdkb& 3**

बिहारी और घनानंद से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न ।

**bdkb& 4**

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियॉ और प्रमुख रचनाओं से संबंधित प्रश्न ।

**bdkb& 5**

द्रुतपाठ के कवि – मीराबाई,रहीम,रसखान,भूषण और केशव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।

अंक विभाजन –नियमित

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई 1 | – | व्याख्या | 3 X 8 = 24 |
| इकाई 2 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 16 |
| इकाई 3 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 15 |
| इकाई 4 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 15 |

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई 5 | – | लघुउत्तरीय प्रश्न | 3 X 5 = 15 |
| | | | 85 |

अंक विभाजन –स्वाध्यायी

| | | | |
|---|---|---|---|
| इकाई 1 | – | व्याख्या | 3 X 9 = 27 |
| इकाई 2 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 20 |
| इकाई 3 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 20 |
| इकाई 4 | – | आलोचनात्मक प्रश्न | 18 |
| इकाई 5 | – | लघुउत्तरीय प्रश्न | 3 X 5 = 15 |
| | | | 100 |

**leLVj f}rh;**
**i'ui= r`rh;**
**vk/kfud fgUnh x| vkj mldk bfrgkl**
**ukVd vkj fuca/k**

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

**bdkb&1**

व्याख्यांश

नाटक

1–स्कंदगुप्त

2– आधेअधूरे

3– अंधायुग (काव्य नाटक) धर्मवीर भारती

निबंध

1.देश सेवा कामहत्व – बालकृष्ण भट्ट

2.म्यूनिसीपलेटी के कारनामे – महावीर प्रसाद द्विवेदी

3.काव्य में लोगमंगल की साधनावस्था – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

4.अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

5.मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–विद्यानिवास मिश्र

6.प्रिया नीलकंठी–कुबेरनाथ राय

7. पगडण्डियों का जमाना– हरिशंकर परसाई

**bdkb & 2**

स्कंदगुप्त तथा आधे–अधूरे से आलोचनात्मक प्रश्न।

**bdkb & 3**

अंधा युग तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई – 4

नाटक औ निबंध का इतिहास और विभिन्न प्रवृतितयॉ । निबंध और गद्य की विधाओं :
(संस्मरण,रेखाचित्रयात्रावृत्त व्यंग्य) पर आलोचनात्मक प्रश्न ।

**bdkb & 5**

द्रुतपाठ हेतु निम्नलिखित गद्यकारों पर केंद्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाऐंगे।

नाटककार एवं निबन्धकार –

भारतेंदु हरिश्चंद्र,डॉ. रामकुमार वर्मा, डॉ. जगदीशचंद्र माथुर, प्रताप नारायण मिश्र, बालमुकुन्द गुप्त, सरदार पूर्ण सिंह।

**lfeLVj & f}rh;**
**lk’ulk=& prqFk**
**i;ktueyd fgUnh**
**i=dkfjrk vkj ehfM;k y[ku**

पूर्णांक–85+15 सी.सी.ई.

**bdkb & 1**

पत्रकारिता :– स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार–लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक प्रुफ शोधन ।,

**bdkb & 2**

पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इन्ट्री एवं शीर्षक संपादन

संपादकीय लेखन : पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार,पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

**bdkb & 3**

मीडिया लेखन : जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियॉ । विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप
–मुद्रण,श्रव्य,दृश्य–श्रव्य,इंटरनेट ।

श्रव्य माध्यम–रेडियो :– मौखिक भाषा की प्रकृति,समाचार लेखन एवं वाचन,रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, फीचर तथा रिपोर्ताज ।

**bdkb & 4**

दृश्य श्रव्य माध्यमः– (फिल्म, टेलीविजन,वीडियो) दृश्य माध्यमों (वायस ओवर) टेली ड्रामा, डाक्यू ड्रामा,संवाद लेखन, इंटरनेट सामग्री सृजन ।

**bdkb &5**

पटकथा लेखन और उसके विविध रूप : साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण ।
विज्ञापन लेखन और विज्ञापन की भाषा, विज्ञापन के विविध रूप ।

अंक विभाजन – नियमित

पांचों इकाई से पांच निबंधात्मक प्रश्न 17 – 17 अंकों के ।

अंक विभाजन – स्वाध्यायी

इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रश्न प्रत्येक – 20 अंक

इकाई 5 टिप्पणी 10+10 = 20